Chapter- 2

पंच परमेश्वर

STUDY NOTES

MIND MAP

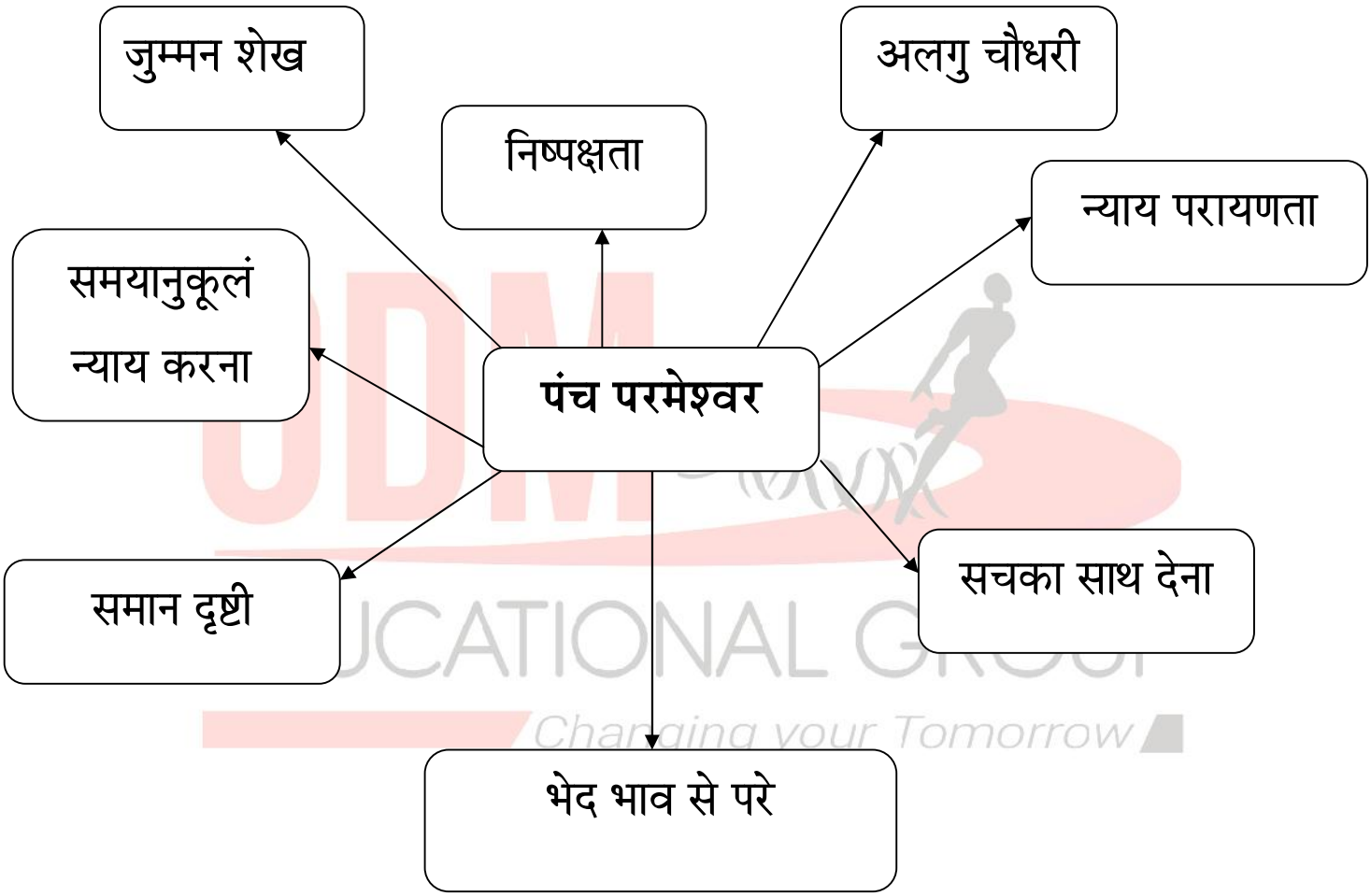

पाठ प्रवेश –

पंचायत ईश्वर के समान । पंचायत के सामने कोई भेद भाव नहीं होता है । पंचायत हमेशा सच का साथ देती है । सच कभी छिपा नहीं रहता है । सच की हमेशा जीत होती है । पंचायत के सामने मित्रता - शत्रुता का कोई भेदभाव नहीं होता ।

प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद जी ने भारत की ग्रामीण व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण परिवेश व दो दोस्तों की गहरी मित्रता का वर्णन किया है। इस कहानी के मुख्य पात्र अलगू चौधरी और उनके दोस्त जुम्मन शेख हैं। जुम्मन शेख की एक विधवा मौसी है जो अकेली, असहाय व बूढ़ी हैं। उसने जुम्मन शेख पर विश्वास करके अपने चारों खेत उसके नाम इस कारण से कर दिए थे कि वह जीवन भर भोजन-वस्त्र व उसकी ज़रूरतें पूरी करता रहेगा। कुछ समय तक सब कुछ ठीक चला लेकिन अचानक जुम्मन शेख व उनकी पत्नी के व्यवहार में बदलाव आ गया। वे दोनों बात-बात पर उनका अपमान करने लगे। उनकी मौसी ने इस प्रकार के व्यवहार होने पर अपने लिए अलग रुपयों की माँग की ताकि उनसे अलग रहकर वे सम्मान की ज़िंदगी गुजार सके। जुम्मन शेख अपने वायदे से मुकर जाता है, तब उनकी मौसी गाँव में पंचायत बैठाती है और सबके सम्मुख अपनी दर्दभरी व्यथा कहती है। वह अलगू चौधरी को यह जानते हुए भी सरपंच चुनती है कि वह जुम्मन शेख का मित्र है, लेकिन उसे पंचायत के निर्णय पर विश्वास है कि निर्णय सुनाते समय पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है उस समय मित्रता-शत्रुता का भेद नहीं रहता।

मौसी के विश्वास की जीत होती है और पंचायत जुम्मन शेख को हर माह रुपए देने का हुक्म सुनाती है।

उसी गाँव में दूसरी घटना तब घटती है जब अलगू चौधरी ने अपना एक बैल समझू साहू को बेचा था। समझू साहू ने बैल से खूब काम लिया था, बैल की ठीक से देखभाल नहीं की, चारे व पानी के अभाव में वह चल बसता है और अब समझू साहू अलगू चौधरी को बैल के दाम देने से मना कर देता है। अब अलगू चौधरी ने समझू साहू के विपक्ष में पंचायत बैठाई और जान-बूझकर समझू साहू ने जुम्मन शेख को सरपंच चुना ताकि निर्णय उसके पक्ष में हो, लेकिन जुम्मन शेख पंच बनकर बैठते ही अपनी दुश्मनी को भूल जाते हैं और दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद निष्पक्ष निर्णय देते हैं कि समझू साहू को बैल की पूरी कीमत देनी होगी।

जुम्मन शेख के निर्णय को सुनते ही ग्रामवासी हर्षित हो जाते हैं, वे भाव-विभोर होकर पंच परमेश्वर की जय के नारे लगाते हैं, दोनों मित्र फिर से एक हो जाते हैं, आपस में गले मिलते हैं और गाँव की ओर चले जाते हैं।

इस प्रकार से इस कहानी का अंत सुखद व प्रभावशाली होता है।